राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय के प्रतिभागियों के साथ संवाद

- भारतीय लोकतंत्र के मंदिर **'संसद भवन'** में आप सभी का हार्दिक अभिनंदन एवं स्वागत।
- आप सभी भारत की विभिन्न रक्षा सेवाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह और भी प्रसन्नता का विषय है कि इस कार्यक्रम में हमारे मित्र देशों के **Defence Officers** भी यहां उपस्थित हैं।
- आप सभी का आज यहां उपस्थित होना यह दिखाता है कि किस प्रकार रक्षा के क्षेत्र में हम अपनी क्षमताओं एवं ज्ञान को अपने सहयोगियों के साथ साझा कर रहे हैं। यह हमारी मानवतावादी और वैश्विक सहयोग के दृष्टिकोण का सूचक है।
- मुझे पूरा विश्वास है कि National Defence College (NDC) द्वारा तैयार किया गया यह विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आप सभी के लिए अत्यन्त उपयोगी सिद्ध होगा।
- कोरोना वैश्विक महामारी ने हमें बताया है कि राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय समस्याओं का उचित समाधान तभी निकाला जा सकता है जब सभी राष्ट्र मिलकर सामूहिक सहयोग की भावना से कार्य करें तथा उनका सामूहिक समाधान निकालें।
- वर्तमान परिप्रेक्ष्य में जब विश्व में कोरोना के साथ साथ अंतरराष्ट्रीय शांति एवं स्थिरता को बनाए रखने की चुनौती हमारे सामने है, ऐसे में सभी लोकतांत्रिक देशों के बीच सहयोग की आवश्यकता और बढ़ गई है। मेरा मानना है कि इस प्रकार के अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों से हमें आपसी विचार विनिमय के साथ साथ समन्वय में भी आसानी होगी।
- आप सभी अधिकारीगण प्रशिक्षण के दौरान अपना ज्ञान संवर्धन तो करेंगे ही, परंतु उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है कि आप एक दूसरे के विचारों को समझें, एक दूसरे के देशों के बारे में अधिक से अधिक जानकारी लें ताकि आपका दृष्टिकोण व्यापक हो।
- अपने करियर में भविष्य में जब आप और ज्यादा जिम्मेदारी वाले पदों पर जाएंगे, तो यह अनुभव आपकी वहाँ भी सहायता करेगा।
- साथियो, इस अध्ययन दौरे का आयोजन संसदीय लोकतंत्र शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान-**प्राइड** द्वारा किया जा रहा है, जो लोक सभा की आंतरिक प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण एजेंसी है। मुझे विश्वास है कि इस अध्ययन दौरे से आपको **'भारत की संसद'** की कार्यप्रणाली के बारे में जानने का अवसर मिलेगा।

- भारत का लोकतंत्र दुनिया का सबसे बड़ा कार्यशील लोकतंत्र है। भारत की संसद देश की 130 करोड़ जनता की आशाओं एवं आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करती है। यह देश की विविधता और बहुलता का भी प्रतिनिधित्व करती है।

- इस दौरे से आपको भारत की संसदीय संस्थाओं के इतिहास, उनकी परंपराओं और उनके कार्यकरण के बारे में भी जानकारी प्राप्त होगी।

- लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था के अंदर संसद के सदनों में ही देश की सुरक्षा और उसके सर्वांगीण विकास के लिए नीतियां एवं कानून बनाए जाते हैं। संसद तथा संसदीय समितियों के अंदर सभी विषयों पर चर्चा होती है, संवाद होता है। विभिन्न समितियों के सदस्य दलगत राजनीति से ऊपर उठकर जन कल्याण के लिए कार्य करते हैं।

- **'राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय'** की स्थापना का विचार भी संसद की प्राक्कलन समिति ने ही प्रस्तुत किया था, जिसे बाद में सरकार ने क्रियान्वित किया।

- आज **National Defence College** सामरिक नीति के क्षेत्र में एक प्रमुख संस्थान बन गया है। NDC प्रशिक्षण, नेतृत्व कौशल प्रदान करने के साथ-साथ शोध करने और हमारे future leadership तैयार करने की दिशा में उत्कृष्ट कार्य कर रहा है।

- मुझे यह जानकर खुशी है कि इस महाविद्यालय ने भारत और विदेशों में military और political leadership तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। NDC के कुछ पूर्व छात्र तो अपने देशों के सर्वोच्च पदों पर भी आसीन हुए हैं।

- भारत हमेशा विश्व शांति को बढ़ावा देने का प्रयास करता रहा है। लेकिन शान्ति तभी हो सकती है जब शक्ति हो। हमें अपनी सीमाओं और अपने नागरिकों की रक्षा करने के लिए हर प्रकार से समर्थ होना चाहिये।

- राष्ट्रीय सुरक्षा का विषय बहुत व्यापक है। आपके पाठ्यक्रम में National Security के domestic, regional और international आयामों को शामिल करते हुए एक व्यापक दृष्टि देने का प्रयास किया गया है।

- वर्तमान संदर्भ में साइबर सुरक्षा, प्रौद्योगिकी आधारित युद्ध, एक देश से दूसरे देश में हो रही तस्करी, जैव हथियार आदि से उत्पन्न खतरे भी बहुत महत्वपूर्ण हो गये हैं। साथ ही Information Warfare आज के युद्ध के एक नए आयाम के रूप में सामने आया है। आपके सामने चुनौती है कि आप परंपरागत युद्ध के साथ

साथ इसके आधुनिक स्वरूपों से भी अवगत हों, ताकि आपकी क्षमता का अधिकतम लाभ आपके देश को मिल सके।

- मुझे प्रसन्नता है कि आप सब यहां संसद भवन से हमारे देश तथा हमारे लोकतंत्र के बारे में अच्छी यादें लेकर जाएंगे।

- मुझे आशा है कि आपकी यात्रा सुखद रही होगी। मैं आप सबके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ। धन्यवाद।